MEC

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि
(MEC)

सत्रीय कार्य 2023–2024
प्रथम वर्ष
उन छात्रों के लिये जिन्होंने जनवरी 2023 या उससे पहले प्रवेश लिया था।

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

एम.ए. (अर्थशास्त्र)
'सत्रीय कार्य 2023–2024

प्रिय विद्यार्थी,
जैसा कि एमईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30 है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40 अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रथम वर्ष में पाँच अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपने बनाई है।
सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।
आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

1) 30 अप्रैल 2024 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो जून 2024 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं।
2) 31 अक्टूबर 2024 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो दिसम्बर 2024 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें।
अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। अध्ययन केंद्र द्वारा आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

एम.ई.सी.–101 : व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : **एम.ई.सी. -101**
सत्रीय कार्य कोड : **एम.ई.सी. -101/**
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023–2024
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

भाग – I

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होती है।

1. क) एक एकाधिकारवादी एक आगत x का उपयोग करता है, जिसे उत्पाद q का उत्पादन करने के लिए निश्चित मूल्य p=5 पर खरीदता है। उसकी मांग और उत्पादन फलन हैः

$$p = 85 - 3q \text{ और } q = 2x^{1/2} \text{ क्रमशः।}$$

साम्य उत्पादन और साम्य लाभ प्राप्त करें।

ख) ''वास्तविक दुनिया में, कभी–कभी इष्टतम कल्याण प्राप्त करना संभव नहीं होता है।'' परेटो इष्टतम प्राप्त करने में आने वाली बाधाओं पर टिप्पणी करें और चर्चा करें।

2. निम्नलिखित कॉब–डगलस उपयोगिता फलन पर विचार कीजिए।

$$U(x,y) = x^{1/2} y^{1/2}$$

जहाँ x तथा y दो वस्तुएँ हैं, जिनकी प्रति इकाई कीमतें क्रमशः P_x और P_y पर उपभोग करता है। उपभोक्ता की आय रु M दिये जाने पर निर्धारित कीजिएः

क) वस्तुओं x और y के मार्शलीय माँग फलन।

ख) उपभोक्ता का अप्रत्यक्ष उपयोगिता फलन।

ग) $\alpha = ½$, P_x = रु 2, P_y = रु 8 तथा M = रु 4000 दिये होने पर उपभोक्ता को प्राप्त अधिकतम उपयोगिता।

घ) रॉय की सर्वसमिका (identity) की व्युत्पत्ति कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है। **5X12=60**

3. क) कूर्नो (Cournot) का अल्पाधिकार का मॉडल वर्टेंड (Bertrand) के अल्पाधिकार के मॉडल से किस प्रकार भिन्न है?

   ख) मान लीजिए कि किसी उत्पाद की माँग $p=d(q) = -0.8q + 150$ और उसी उत्पाद की आपूर्ति $p=s(q) = 5.2\,q$ द्वारा दी गई है, दोनों फलन के लिए q मात्रा है और p कीमत है। निर्माता अधिशेष और उपभोक्ता अधिशेष ज्ञात कीजिए।

4. क) सहयोगी एवं असहयोगी खेल सिद्धांत के बीच अंतर करें।

   ख) निम्नलिखित प्रतिप्राप्ति आव्यूह (pay off matrix) से निर्धारित करें:

   i) प्रत्येक व्यक्ति के लिए इष्टतम रणनीति।

   ii) खेल का मूल्य

	खिलाड़ी 2					
	रणनीतियाँ	I	II	III	IV	V
खिलाड़ी 1	I	9	3	1	8	0
	II	6	5	4	6	7
	III	2	4	3	3	8
	IV	5	6	2	2	1

5. क) क्या आप सहमत हैं कि न्यूनतम वेतन से अधिक भुगतान करके, नियोक्ता कुशल श्रमिकों को बनाए रख सकते हैं, उत्पादकता बढ़ा सकते हैं, या वफादारी सुनिश्चित कर सकते हैं? दक्षता मजदूरी मॉडल के आलोक में इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

   ख) एक उद्योग में दो कंपनियाँ 1 और 2 हैं, प्रत्येक उत्पादक क्रमशः θ_1 और θ_2 करती हैं और $P=50-2\theta$ द्वारा दी गई उद्योग की मांग का सामना करती हैं, जहाँ P बाजार मूल्य है और θ कुल अर्थात् $\theta = \theta_1 + \theta_2$। मान लें कि लागत फलन $C=10+2q$ है। ऐसी स्थिति में उद्योग के लिए कूर्नो संतुलन का निर्धारण कीजिए।

6. क) क्या आपको लगता है कि जोखिम से बचने वाला व्यक्ति जुआ खेलेगा या जोखिम प्रेमी बीमा खरीदेगा? अपना जवाब समझाएं।

   ख) राधा के पास 10,000 रुपये की संपत्ति है और 0.002 की संभावना के साथ 3600 रुपये की हानि का सामना कर रही है। वह बीमा सुरक्षा के लिए G रुपये देने और व्यक्तिगत रूप से नुकसान का

जोखिम उठाने के बीच उदासीन है। उपयोगिता फलन $U(W)=W^{1/2}$ के अनुसार वह $W \geq 0$ राशि की कुल संपत्ति का मूल्यांकन करती है। G निर्धारित करें।

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

   क) विभिन्न प्रकार के मूल्य विभेदन

   ख) द्विपक्षीय एकाधिकार

   ग) मान की मित्तव्ययीताएँ

   घ) संयोजनकारी एवं वियोजनकारी साम्यावस्थाएँ

एमईसी–002 : समष्टिगत आर्थिक विश्लेषण
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने जुलाई 2022 या इससे पूर्व के सत्र में प्रवेश लिया था।)

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी–002
सत्रीय कार्य कोड : एमईसी–002 / टीएमए / 2023–24
पूर्णांकः 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

भाग – I

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. अंतर्जात संवृद्धि से क्या अभिप्राय हैं? इसके क्या निहितार्थ हैं? एक साधारण अंतर्जात संवृद्धि मॉडल का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. स्थायी आय परिकल्पना की प्रमुख विशेषओं पर प्रकाश डालिए। यह मॉडल क्यों महत्वपूर्ण हैं? इस मॉडल के क्या निहितार्थ हैं?

भाग – II

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. अनुकूलनशील प्रत्याशाओं और विवेकपूर्ण (तर्कसंगत) प्रत्याशाओं के बीच अंतर कीजिए। फिलिप्स वक्र पर अनुकूलनशील प्रत्याशाओं का क्या प्रभाव हैं?

4. दक्षता मजदूरी मॉडल का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

5. स्पष्ट करें कि खुली अर्थव्यवस्था में स्थिर विनिमय दर प्रभावी क्यों नहीं होती?

6. समझाइए कि IS-LM मॉडल में एक अर्थव्यवस्था संतुलन कैसे प्राप्त करती है?

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।
   i) लुकस की समीक्षा
   ii) वास्तविक व्यवसाय चक्र सिद्धांत

एमईसी–102 : समष्टिगत आर्थिक विश्लेषण
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी–102
सत्रीय कार्य कोड : एमईसी–102 / टीएमए / 2023–24
अधिकतम अंकः 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

भाग – I

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. चर्चा कीजिए कि IS-LM मॉडल में एक अर्थव्यवस्था संतुलन कैसे प्राप्त करती है? IS वक्र के बाहर के बिंदु क्या दर्शाते हैं? IS और LM वक्रों को प्रभावित करने वाले कारकों पर प्रकाश डालिए।

2. नवीन क्लासिकीय समष्टि अर्थशास्त्र की महत्वपूर्ण विशेषताओं पर चर्चा कीजिए। नव–क्लासिकीय अर्थशास्त्र द्वारा उजागर किए गए प्रमुख नीतिगत मुद्दे क्या हैं?

भाग – II

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. हानि फलन निर्दिष्ट कीजिए और इसकी व्याख्या कीजिए। गत्यात्मक असंगति से क्या अभिप्राय हैं?

4. अनुकूलशील प्रत्याशाओ ंऔर विवेकपूर्ण (तर्कसंगत) प्रत्याशाओं के बीच अंतर कीजिए। व्याख्या कीजिए कि जब हम अपने विश्लेषण में प्रत्याशाओं को समविष्ट करते हैं तो फिलिप्स वक्र का आकार क्यों बदल जाता है?

5. मजदूरी और कीमतों में जड़ता लाने वाले कारकों पर प्रकाश डालिए।

6. एक अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक ऋण के महत्व का वर्णन कीजिए। किसी अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक ऋण किन परिस्थितियों में धारणीय नहीं होता है?

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

   i) अंतर–कालिक उपयोगिता अधिकतमीकरण
   ii) नव–केंसवादी समष्टि अर्थशास्त्र

एम.ई.सी. -103: परिमाणात्मक विधियाँ
(शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य)

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने जनवरी 2023 या इससे पूर्व के सत्र में प्रवेश लिया था।)

पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी.-103
सत्रीय कार्य कोड: एमईसी-103/टीएमए/2023-24
कुलअंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

भाग क में प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (प्रत्येक के लिए लगभग 500 शब्दों में उत्तर दें)।
भाग ख में प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है (प्रत्येक के लिए लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें)।
संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होती है।

भाग (क)

1. (i) 'सार्थकता सम्बन्धी परीक्षण' से आप क्या समझते हैं? सार्थकता के लिए हमें किसी बंटन का परीक्षण करने की आवश्यकता क्यों है? कारण स्पष्ट कीजिए। (8)
   (ii) एक उदाहरण की सहायता से गोपन अंतराल (कॉन्फिडेंसइंटरवल्स) और गोपन सीमान्त (कॉन्फिडेंसलिमिट्स) की अवधारणाओं पर चर्चा कीजिए। (8)
   (iii) एक-पुच्छ परीक्षण और दो-पुच्छ परीक्षण में अंतर स्पष्ट कीजिए। (4)
2. निबाधितइष्टतमीकरण के निम्नलिखित स्थिति पर विचार कीजिए:

   $U(x,y) = x^2y$ और $P_x = 2$, $P_y = 1$, कुल आय, $I = 200$

   जहां उपभोक्ता की उपयोगिता (U) दो वस्तुओं x और y पर निर्भर है। I, उपभोक्ता की कुल आय है। उपभोक्ता पूरी आय को दोनों वस्तुओं x और y को खरीदने पर खर्च करता है।
   आय निबाध को देखते हुए उपयोगिता को अधिकतम करें। इष्टतम उपभोग बंडल (x^*, y^*) और उपभोक्ता की अधिकतम उपयोगिता ज्ञात कीजिए।

भाग(ख)

3. समुच्चय संक्रियाओं के गुणों को उदाहरण सहित समझाइए।
4. एक असतत फलन क्या है? दो प्रकार के असतत फलनों की उनके रेखाचित्रों के साथ चर्चा कीजिए।
5. एक स्तब्ध (स्थिर) बिंदु और नति परिवर्तन बिंदु की अवधारणा को समझाइए। क्या एक स्तब्ध (स्थिर) बिंदु हमेशा एक नति परिवर्तन बिंदु होता है? क्यों या क्यों नहीं?
6. प्रसामान्यबंटन (सामान्य वितरण) को परिभाषित कीजिए। उन दो मापदंडों पर चर्चा करें जो इसकी परिभाषा के अभिन्न अंग हैं।
7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (3X4= 12)

   i) स्थानिक भूयिष्ठिक
   ii) प्रतिचित्रण और फलन
   iii) सर्वेक्षण से पूर्वाग्रह
   iv) परिमित और अपरिमित समुच्चय

<u>एमईसी-004: संवृद्धि और विकास का अर्थशास्त्र</u>

सत्रीय कार्य

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने जनवरी 2023 या इससे पूर्व के सत्र में प्रवेश लिया था।)

पाठ्यक्रम कोड: एमईसी-004
सत्रीय कार्य कोड: एमईसी-004/एएसटी-1/2023-2024
कुल अंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दें। जबकि भाग क में प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए), भाग ख में प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है (प्रत्येक का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए)। संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होती है।

<u>भाग क</u>

1) आर्थिक संवृद्धि के सोलोमॉडल में जनसंख्या वृद्धि के प्रभाव का परीक्षण कीजिए। चर्चा कीजिए कि विकासशील देशों में गरीबी जाल की व्याख्या करने के लिए सोलोमॉडल का उपयोग कैसे किया जा सकता है?

2) मानव पूंजी को शामिल करने के लिए मैनकिव-रोमर-वील के नव-परंपरागत मॉडल के विस्तार का वर्णन कीजिए। व्याख्या कीजिए कि एकेमॉडल में पूँजी का ह्रासमान प्रतिफल क्यों नहीं होता?

<u>भाग ख</u>

3) आर्थिक संवृद्धि और विकास के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। आर्थिक संवृद्धि से समाज को मिलने वाले मुख्य लाभों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

4) पसिनेट्टी के आर्थिक संवृद्धि और वितरण के सिद्धांत का वर्णन कीजिए।

5) कुल कारक उत्पादकता के मापन के विभिन्न दृष्टिकोणों का वर्णन कीजिए।

6) वास्तविक व्यापार चक्र मॉडल के मुख्य प्रस्ताव क्या हैं? एक आदर्श वास्तविक व्यापार चक्र मॉडल की मूल संरचना का वर्णन कीजिए।

7) फेल्डमैनमॉडल के साथ उजवा के द्वि -क्षेत्रीय विकास मॉडल की तुलना कीजिए और भेद कीजिए।

एम.ई.सी.–105/205 : भारतीय आर्थिक नीति
सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–105/205
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-205/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2023-24
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। खंड–क से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। खंड–ख से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। खंड–ख के प्रत्येक प्रश्न का मान 12 अंक का है।

खंड – क

1. ''अनेक कारणों से केंद्र तथा राज्यों के बीच संबंध का प्रश्न विचार-विमर्श का केंद्र बिंदु बन गया है''। इस कथन पर टिप्पणी करें। केंद्र तथा राज्यों के बीच विवाद के कारण बताएं।

2. ''भारतीय अर्थव्यवस्था में ढाँचागत परिवर्तन का प्रतिमान पश्चिमी एवं दक्षिणी एशिया की अर्थव्यवस्थाओं के विकास प्रतिमानों से विचलित हुआ है।'' इस कथन का परीक्षण करें।

खंड – ख

3. मौद्रिक नीति के क्या उद्देश्य रहे हैं? रिज़र्व बैंक द्वारा इन उद्देश्यों के पूर्ति हेतु किन संयंत्रों का प्रयोग किया जाता है? मुद्रा स्फीति को नियंत्रण करने में मौद्रिक नीति कहाँ तक सफल रही है?

4. सत्रहवीं सदी तक पूरे विश्वभर में सकल घरेलू उत्पादन (GDP) में भारत का सर्वाधिक योगदान रहा। इस आलोक में ब्रिटिश शासन के दौरान परंपरागत भारतीय अर्थव्यवस्था में विध्वंश के कारणों का लेखा-जोखा दें।

5. भारतीय अर्थव्यवस्था में मध्यम एवं लघु उपक्रमों (MSME) द्वारा किये जा रहे योगदान की चर्चा कीजिए। एमएसएमई क्षेत्र द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का मुकाबला करने हेतु केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए नीतिगत उपायों का लेखा-जोखा दीजिए।

6. विश्व व्यापार की बदलती हुई प्रकृतिगत विशेषताओं को बताइये। 'Make in India' तथा 'Digital India' कार्यक्रम कहाँ तक विश्व व्यापार की बदलती हुई प्रकृति से सुसंगत हैं।

7. भारत में रोज़गार की गुणवत्ता में गिरावट के विविध आयामों को बताइये। महिलाओं की कार्यशक्ति सहभागिता दर में आई गिरावट के निहितार्थों को बताइये।